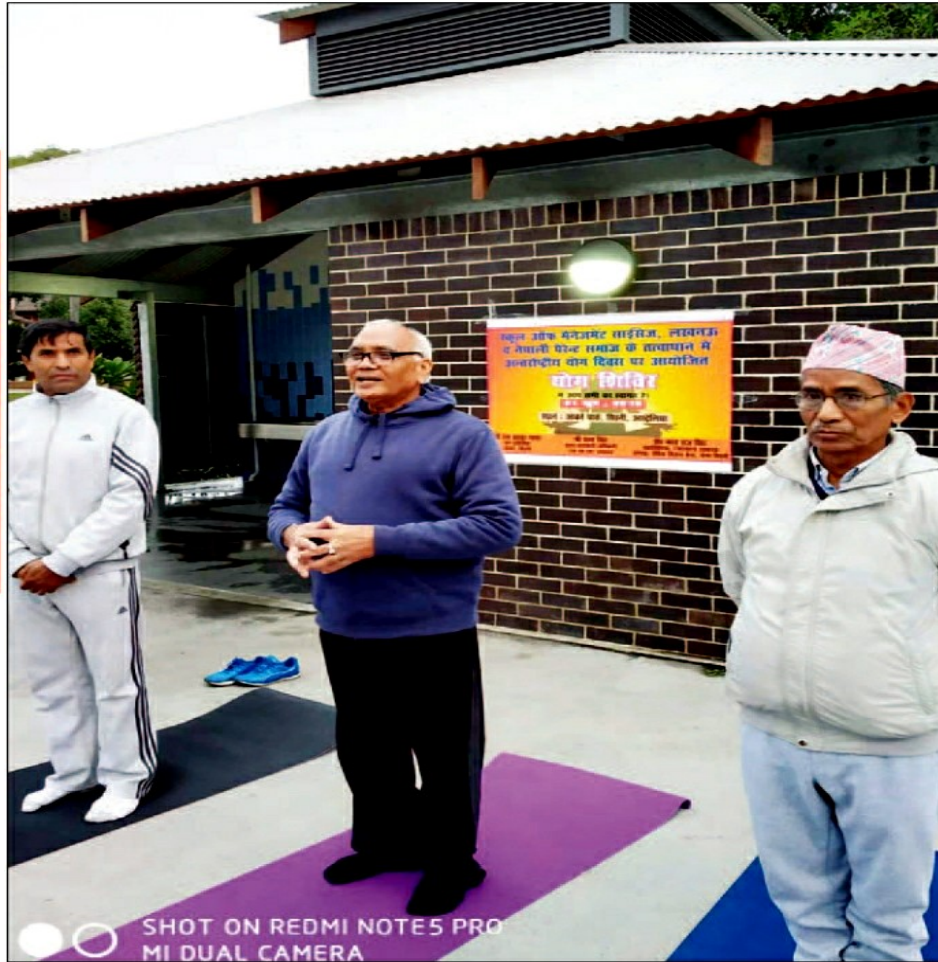


# सिडनी, आस्ट्रेलिया में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर

## डॉ० भरत राज सिंह, महानिदेशक ने योग-शिविर लगाया

राष्ट्रीय प्रस्तावना

गॉव से गवर्नर्स तक



21 जून 2018 को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस सम्पूर्ण विश्व के देशों में मनाया जा रहा है। आज दुनिया की अधिकांश मानवता यह स्वीकार कर चुकी है योग से मन की शांति एक सकारात्मक सोच तथा शरीर में स्वस्थता के साथ साथ प्रचुर ऊर्जा भी भरती है। पूरे विश्व के आंकड़ों से यह भी पाया गया है कि मेडिकल बिल में भी लगभग 40.60: की कटौती भी जिन देशों में योग को अपनाया जा रहा है हो रही है। योग हमारे भारत देश की एक विरासत है

जिसे ऋषियो व मुनियो ने 5000 वर्ष पूर्व ही अपने ग्रंथों ;पतंजलि योगद्ध के माध्यम से उपलब्ध कराया था। यह एक अनोखी पहल है कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाने का विचार भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी को आया और उन्होने 27 सितम्बर 2014 को यूएनजीए में दिए गए भाषण में इसका जिक्र किया था और कहा था कि योग भारत की प्राचीन परम्परा का अमूल्य उपहार है। यह मन और शरीर की एकता का प्रतीक है। योग

इंसान की सोचए काम करने का तरीकाए संयम बरतनाए मनुष्य और प्रकृति के बीच सद्भाव सिखाता है। जिसके पश्चात 11 दिसंबर 2014 में भारत के स्थायी प्रतिनिधि अशोक मुखर्जी ने इसका प्रस्ताव तैयार कर पेश किया। इस मसौदे पर 177 देशों ने अपनी सहमति जताई और 21 जून 2015 को प्रथम अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाने का शुभारंभ हुआ।

इसी क्रम में, स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइसेसए लखनऊ के

महानिदेशक डॉ. भरत राज सिंह ने सिडनी (आस्ट्रेलिया) में विश्व योग दिवस पर योग शिविर लगा कर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लोगों में योग के प्रति जागरूकता फैलाने की एक अनोखी पहल की है और लोगों को योग दिवस पर शुभकामनाएं दी। अपने सन्देश में लोगों को कहा कि शकरो योग रहो नीरोग, अर्थात योग के निरंतर करने से शरीर स्वस्थ और मन में शान्ति मिलती है। कई गंभीर बीमारिया भी जड़ से खत्म हो जाती हैं।